अवघड रूग्ण, यशस्वी चिकित्सा : रूग्णाच्या शब्दांत

हॉ, अब मै अस्थमा से मुक्त हूॅ , स्वस्थ हूॅ :

लेखक : श्री सुधाकरजी पांडे महोदय.

माजी अधिष्ठाता, कला विद्याशाखा, पुणे विद्यापीठ.

मैं पिछले ५ साल से अस्थमा से पीडित था. इस बीच ७ बार अस्पताल में भर्ती होना पडा था. वहॉ नेब्युलायझेशन और स्टेरॉईड्स् देकर अस्थमा को कंट्रोल में लाया जाता था.

'लेकिन नोव्हेम्बर २००१ से मेरी स्थिति काफी खराब हो गयी थी. जानेवारी २००२ से ऑगस्ट २००२ तक ३ बार अस्पताल जाना पडा था. वह भी रात १ बजे. ३ घंटे वहॉ रहने के बाद मैं थोडा स्वस्थ हो पाया था. इन २ रातों को इंजेक्शन और नेब्युलायझेशन से अस्थमा के प्रकोप से थोडी राहत मिल पायी थी. बाद में भी जब श्वास लेने में समस्या होती थी तब इनहेलर और रोटाहेलर से थोडी राहत मिलती थी.

'फिर ऑगस्ट में ही एक नजदीकी रिश्तेदार ने 'एक वैद्य' के बारे में बताया. वे खुद एवं उनकी पौत्री भी इन 'वैद्य'से इलाज करा रहे थे. यह ५ साल की पौत्री भी अस्थमा से पीडित थी. 'वैद्य' के इलाज से उसे काफी फायदा हुआ था.

'मैं 'वैद्य'से मिला. उन्होने मुझे आश्वस्त किया कि लगभग ६ सप्ताह मे मुझे अस्थमा से मुक्ति मिलनी चाहिए, यदि में उनकी दवाओं का सेवन करूॅ और उनके बताये हुये परहेज करूॅ. मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि, जिन वस्तुओं को उन्होने मुझे खाने के लिये मना किया था, वास्तव में वही चीजे मैं रोज खा रहा था.

उदाहरणस्वरूप : मेदूवडा, चावल, मुसंबी का रस, पपीता आदि. इन्ही चीजों की वजह से मुझे काफी कफ होती थी.

'परहेज एवं दवाओं के साथ हर तीसरे दिन 'वैद्यजी' के यहॉ दवायुक्त तेल लगाकर 'स्वेदन' करता था. अबतक सब मिलाकर २० स्वेदन कर चुका हूॅ. ६ सप्ताह बाद मैं काफी स्वस्थ महसूस कर रहा हूॅ.

'मुझे पूरा विश्वास है कि 'आयुर्वेद' ने जो चमत्कार मेरे लिये किया है, वही और लोगों के साथ हो सकता है.

'मैं आयुर्वेद की जितनी प्रशंसा करूॅ कम है. मुझे पूरा विश्वास है कि आयुर्वेद अपनी योग्यता से यश प्राप्त करेगा और मेरे जैसे रोग से पीडित लोगों को नया जीवनदान देगा.

© www.mhetreayurved.com, 9422016871